RAJASTHAN PUBLIC SERVICE COMMISSION, AJMER

SYLLABUS FOR EXAMINATION FOR THE POST OF LECTURER IN

RAJASTHANI

(SCHOOL EDUCATION)

PAPER-II

खण्ड–I (उच्च माध्यमिक स्तर)

1. राजस्थानी भाषा :–

- उद्‌भव एवं विकास
- राजस्थानी की विभिन्न बोलियाँ, क्षेत्र एवं विशेषताएँ
- राजस्थानी एक स्वतंत्र भाषाः भाषा वैज्ञानिक तत्व
- प्रमुख लिपियांः मुड़िया एवं देवनागरी

2. राजस्थानी भाषा, व्याकरण एवं काव्य–दोष :–

- राजस्थानी वर्णमाला
- संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया संरचना
- राजस्थानी भाषा की विशिष्ट ध्वनियां, शब्दों के परिवर्तित रूप एवं अर्थ भेद।
- पर्यायवाची शब्दः तलवार, घोड़ा, ऊंट, पानी, वीर, सूर्य, हाथी, कमल, बादल, भूमि।
- अलंकार : वैण–सगाई और उसके भेद
- छंद : दूहा छंद और उसके भेद
- काव्यदोष : अंधदोष, छबकाल, पांगलो, हीन और निनंग
- शब्दशक्तियां : अभिद्या, लक्षणा, व्यंजना।

खंड II (स्नातक स्तर)

3. राजस्थानी साहित्य का कालगात अध्ययन :–

(i) **आदिकाल** : परिस्थितियां, साहित्यिक प्रवृत्तियां, प्रमुख रचनाकार : वज्रसेन सूरि, श्रीधर व्यास, बादरदाढी, शारंगधर, शिवदास गाडण, नरपति नाल्ह।

(ii) **मध्यकाल** :–

(अ) पूर्वमध्यकाल : परिस्थितियां, साहित्यिक प्रवृत्तियां, प्रमुख रचनाकार : ईसरदास, दूरसा आढ़ा, पृथ्वीराज राठौड़, हेमरतन सूरि, माधोदास दधवाड़िया, सायांजी झूला
(ब) उत्तरमध्यकाल : परिस्थितियां, साहित्यिक प्रवृत्तियां –
प्रमुख रचनाकार : मीरांबाई, दादूदयाल, सुंदरदास, जांभोजी, जसनाथजी, रामचरणदास, सहजोबाई, गवरीबाई, किसना आढ़ा, मुहणोत नैणसी, नरहरिदास बारहठ, कृपाराम खिड़िया और बांकीदास।

(iii) **आधुनिक काल** – परिस्थितियां, साहित्यिक प्रवृत्तियां,
प्रमुख रचनाकार :–
(पद्य) : सूर्यमल्ल मीसण, रामनाथ कविया, शंकरदान सामौर, केसरीसिंह बारहठ, महाराज चतुरसिंह, गणेशीलाल व्यास 'उस्ताद', कन्हैयालाल सेठिया, चन्द्रसिंह 'बिरकाली', नारायणसिंह भाटी, सत्यप्रकाश जोशी, गिरधारी सिंह पड़िहार।
(गद्य) : शिवचन्द्र भरतिया, मुरलीधर व्यास, सूर्यकरण पारीक, गिरधारीलाल शास्त्री, डॉ. नेमनारायण जोशी, डॉ. मनोहर शर्मा, डॉ. नृसिंह राजपुरोहित सांवर दइया, यादवेन्द्र शर्मा 'चन्द्र', गोविन्दलाल माथुर, अन्नाराम सुदामा, लक्ष्मीकुमारी चूंडावत, विजयदान देथा, बैजनाथ पंवार, करणीदान बारहठ, जहूर खां मेहर, अर्जुनदेव चारण।

4. राजस्थानी पद्य एवं गद्यः रूप–परम्परा :–
पद्य : रासो, वेलि, फागु, चौपाई, प्रवाड़ा संधि, बारहमासा, विवाहलो, धमाल, चैत्यपरिपाटी, नीसांणी, गीत एवं सतसई।
गद्य : वचनिका, दवावैत, ख्यात, वात, विगत, वंशावली, गुर्वावली, बालावबोध, टीका एवं टब्बा।
आधुनिक विधाएं – कहानी, उपन्यास, नाटक, एकांकी, निबंध, संस्मरण।

(खंड – III स्नातकोत्तर स्तर)

5. राजस्थानी लोक साहित्य एवं संस्कृति :–

- लोक गीत, लोक कथा, लोक गाथा, लोक नाट्य, लोकोक्ति (कहावते एवं मुहावरे)
- लोकदेवी–देवता, लोक उत्सव, (मेले, पर्व एवं तीज त्यौहार)
- लोक कला– (मांडणे एवं सांझी)

6. राजस्थानी काव्य शास्त्र :–

- साहित्य का स्वरूप एवं विवेचन
- रस सिद्धांतः रसनिष्पत्ति, साधारणीकरण
- ध्वनिसिद्धांत एवं वक्रोक्ति सिद्धान्त

खण्ड IV– (शैक्षिक मनोविज्ञान, शिक्षाशास्त्र, शिक्षण–अधिगम सामग्री, कम्प्यूटर एवं सूचना तकनीकी का शिक्षण–अधिगम में उपयोग)

1. शिक्षण–अधिगम में मनोविज्ञान का महत्व :

- अधिगमकर्ता
- शिक्षक
- शिक्षण–अधिगम प्रक्रिया
- विद्यालय प्रभावशीलता

2. अधिगमकर्ता का विकास : किशोर अधिगमकर्ता में

- संज्ञानात्मक, शारीरिक, सामाजिक संवेगात्मक एवं नैतिक विकास के प्रतिमान (Patterns) एवं वैशिष्ट्य (characteristics).

3. शिक्षण–अधिगम :

- उच्च माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों के लिए – व्यवहारवादी, संज्ञानवादी और निर्मितिवादी (constructivist) सम्प्रत्यय, अधिगम के सिद्धान्त एवं इनके निहितार्थ।
- किशोर अधिगमकर्ता की अधिगमकर्ता की अधिगम–विशेषताएँ एवं इनके शिक्षण के लिए निहितार्थ।

4. किशोर –अधिगमकर्ता प्रबंधन :

- मानसिक –स्वास्थ्य एवं समायोजन –समस्याओं का सम्प्रत्यय
- किशोर के मानसिक स्वास्थ्य के लिए संवेगात्मक –बुद्धि एवं इसके निहितार्थ।
- किशोर के मानसिक स्वास्थ्य को प्रोत्साहित (परिपोषित) करने की मार्गदर्शक प्रविधियों का उपयोग

5. किशोर –अधिगमकर्त्ता के लिए अनुदेशनात्मक व्यूहरचनाएँ :

- सम्प्रेषण कौशल एवं इसके उपयोग।
- शिक्षण की अवधि में, शिक्षण–अधिगम सामग्री का आयोजन एवं उपयोग।
- शिक्षण –प्रतिमान– अग्रिम संगठन, वैज्ञानिक–पृच्छा (enquiry), सूचना, प्रक्रम (processing), सहकारी अधिगम (cooperative).
- शिक्षण– आधारित निर्मितिवादी– सिद्धान्त (constructivist principles).

6. सूचना सम्प्रेषण तकनीकी शिक्षाशास्त्र समाकलन :

- सूचना सम्प्रेषण तकनीकी (ICT) का सम्प्रत्यय
- हार्डवेयर (hardware) एवं सॉफ्टवेयर (software) का सम्प्रत्यय
- प्रणाली–उपगाम से अनुदेशन
- कम्प्यूटर सहायता प्राप्त अधिगम (CAL)
- कम्प्यूटर सहायता प्राप्त अनुदेशन (CAI)
- आई.सी.टी. शिक्षाशास्त्र समाकलन को प्रभावित करने वाले कारक।

Paper – II Subject Concerned

Duration : 3 Hour

S.No.	Subject	No. of Questions	Total Marks
1	Knowledge of Subject Concerned : Senior Secondary Level	55	110
2	Knowledge of Subject Concerned : Graduation Level	55	110
3	Knowledge of Subject Concerned : Post Graduation Level	10	20
4	Educational Psychology, Pedagogy, Teaching Learning Material, Use of Computers and Information Technology in Teaching Learning.	30	60
	Total	**150**	**300**

Note : 1 All the question in the Paper shall be Multiple Choice Type Question.

2 Negative marking shall be applicable in the evaluation of answers. For every wrong answer one-third of the
marks prescribed for that particular question shall be deducted.
Explanation : Wrong answer shall mean an incorrect answer or multiple answer.